भारत : 6G गठबंधन

चर्चा मे क्यों ?

- केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने भारत 6G गठबंधन (B6GA) की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में 6G तकनीक को लेकर 2030 तक वैश्विक अग्रणी बनने के भारत के लक्ष्य पर चर्चा हुई।

प्रमुख बिंदु:

- सरकार की तरफ से 6G तकनीक में 10% वैश्विक IPR हासिल करने के लक्ष्य की दिशा में तेजी से कार्य करने पर ज़ोर दिया।
- स्वदेशी RAN तकनीक, समावेशी नेटवर्क, और 6G एप्लिकेशन (कृषि, स्वास्थ्य, स्मार्ट डिप्लॉयमेंट) में उल्लेखनीय प्रगति दर्शाई गई।
- B6GA में अब 80 सदस्य संगठन, जिनमें 30+ स्टार्टअप्स शामिल हैं।
- सरकार ने स्पेक्ट्रम आवंटन, अनुसंधान निधि और नीति ढांचे के माध्यम से नवाचार को समर्थन देने की प्रतिबद्धता जताई।
- भारत 6G गठबंधन, 50 करोड़ यूरोपियन स्टार्टअप समर्थन और नियमित समीक्षा जैसे उपायों के साथ, भारत को 6G तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के मार्ग पर अग्रसर कर रहा है।

भारत 6G गठबंधन की स्थापना

- मार्च 2023 में भारत सरकार द्वारा 6G विज़न दस्तावेज़ के बाद, भारत 6G गठबंधन(B6GA) को एक बहु-हितधारक मंच के रूप में स्थापित किया गया था, जो स्वदेशी 6G इकोसिस्टम को विकसित करने पर केंद्रित है।

- **उद्देश्य:** 2030 तक 6G नेटवर्क प्रौद्योगिकियों को डिजाइन, विकसित और लागू करना तथा भारत को 6G क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व प्रदान करना।
- **वैश्विक सहयोग:** B6GA ने 6G स्मार्ट नेटवर्क्स और सर्विसेज इंडस्ट्री एसोसिएशन (6G IA), फिनलैंड की 6G फ्लैगशिप, दक्षिण कोरिया के 6G फोरम, और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ समझौता ज्ञापनों (MoUs) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे वैश्विक मानकीकरण और अनुसंधान में भारत की भागीदारी सुनिश्चित हो रही है।
- **अनुसंधान और विकास:** सरकार ने 6G THz और एडवांस्ड ऑप्टिकल कम्युनिकेशन टेस्टबेड्स की स्थापना की है, जो शैक्षणिक संस्थानों और स्टार्टअप्स को अनुसंधान और विकास के लिए प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करेंगे।